पिल्वायदे भंगिया घोट ओ गनपत की मम्मी

पिल्वायदे भंगिया घोट ओ गनपत की मम्मी
घोटे घोट घुमाए दे प्यारी रगडा खूब लगाये दे
पिल्वायदे भंगिया घोट ओ गनपत की मम्मी

दुरक लगी भंगिया की तगडी तने नही इब तक रगड़ी
बुज्वाये दे मन की प्यास ओ गनपत की मम्मी
पिल्वायदे भंगिया घोट

भूतो की फ़ौज से आने वाली फेर नही सब जाने वाली
कर जल्दी हो मत लेट ओ गनपत की मम्मी
पिल्वायदे भंगिया घोट

केलाश पे न मुझको जाना भंगियाँ कना हो न पीना खाना
मैं करता रहूँगा वेट ओ गनपत की मम्मी
पिल्वायदे भंगिया घोट

Source:
https://www.bharattemples.com/pilwaayede-bhangiyan-ghot-o-ganpat-ki-mummy/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw